हारा हूँ मैं तो मोहन | By Priyanshu Joshi

हारा हूँ मैं तो मोहन तू ही मुझे जिता दे
मंज़िल मुझे मिलेगी तेरे एक ही इशारे
हारा हूँ मैं तो मोहन.....

अपनों की क्या बताएं सबने दगा किया है
जिनसे भी साथ माँगा सबने मन किया है
रिश्ता हमारा बाबा तू ही तो अब निभा दे
हारा हूँ मैं तो मोहन.....

क्या क्या बताऊँ मोहन मेरी ज़िन्दगी में क्या है
ग़म का अँधेरा बाबा चारों और से घिरा है
अश्कों की अब ये धारा बाबा तू ही मिटा दे
हारा हूँ मैं तो मोहन.....

कर्मों की ये ज़ंजीरें फंदा बनी पड़ी हैं
तोड़ूं मैं कैसे बाबा मजबूत ये बड़ी है
भानु के इस गुनाह को बाबा तू ही भुला दे
हारा हूँ मैं तो मोहन.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8-by-priyanshu-joshi/